



धान बाली पात्रो (Rice Calendar)

| उन्नत धान खेतीका लागि मुख्य कृषि कार्यहरू | | वैशाख | जेष्ठ | आषाढ | श्रावण | भाद्र | आश्विन | कार्तिक | मंसिर | पौष | माघ | फाल्गुन | चैत्र |
|--|-----------------------------------|--|-------------------|--|---|---------|---------|---|---------|---------------------|---|---------|---------|
| हप्ता | | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ | १ २ ३ ४ |
| मौसम | | | | | | | | | | | | | |
| उन्नत धान उत्पादन प्रविधि | | | | | | | | | | | | | |
| तयारीको अवस्था | बीउको उपचार | बीउको उपचार गर्ने। | | | | | | | | | | | |
| | उन्नत जातको बीउ छनौट | <p>उन्नत जातको बीउ छान्ने। चैते: चैते-४, चैते-२ हर्दिनाथ-१, चैते-६, विन्देश्वरी वर्षे धान (तराई र मध्य तराई): हर्दिनाथ-२, तरहरा-१, स्वर्णा सब -१, साम्भा मसुली सब -१, सुख्खा धान-१, सुख्खा धान-२, सुख्खा धान -३, लोकतन्त्र, लल्का वासमती, मिथिला, राम धान, सावित्री, मसुली, राधा -४, राधा- ११, राधा -१२, सुनौलो सुगन्धा, वर्षे २०१४ पहाड: चाईनुङ्ग -२४२, ताईचुङ्ग -१७६, खुमल -३, खुमल-४, खुमल-७, खुमल-९, खुमल-१०, खुमल-१३ उच्च पहाड: छोमरोङ्ग लोकल, चन्दननाथ-१, चन्दननाथ-३, माछापुच्छ्रे -३।</p> | | | | | | | | | | | |
| बेनी उत्पादन अवस्था | ब्याडको तयारी | २ मिटर चौडाई र ५ मिटर लम्बाईको ब्याड बनाउने। | | | | | | | | | | | |
| | ब्याड राख्ने समय | <p>१.बोरो धान : मंसिरको पहिलो हप्तादेखि दोस्रो हप्तासम्म। २.चैते : माघको अन्तिम हप्तादेखि फागुनको पहिलो हप्तासम्म। ३.वर्षे : जेष्ठको अन्तिम हप्तादेखि असारको दोस्रो हप्तासम्म। ४.भदैया : जेठको दोस्रो हप्तादेखि अन्तिम हप्तासम्म।</p> | | | | | | | | | | | |
| | मलखाद | १० वर्ग मीटरको लागि डि.ए.पी. -१०८ ग्राम युरिया -१७५ ग्राम म्युरेट अफ पोटास ८३ ग्राम, जिंक सल्फेट ४८ ग्राम एक नासले छन्। | | | | | | | | | | | |
| | बीउ छर्ने तरिका | १.५ किलो ग्राम बीउ ब्याडमा छर्ने र माटोले पुरी सम्प्याउने। | | | | | | | | | | | |
| सिंचाई र अन्य व्यवस्थापन | माटो भिजे गरी भारीले पानी हाल्ने। | | | | | | | | | | | | |
| रोपाई गर्ने अवस्था | धुले (छरुवा) | चैते धानमा धुले (छरुवा) गर्न सकिन्छ। | | | | | | | | | | | |
| | हिले रोपाई गर्न | <p>जहाँ सिंचाई सुविधा उपलब्ध छ। हिले रोपाई गर्दा ३-४ पटक खेत जोती सम्प्याउने। मलखाद प्रति हेक्टरको लागि १०८ किलो ग्राम डि.ए.पि, ८७.५ किलो ग्राम, युरिया, ८३ किलो ग्राम म्युरेट अफ पोटास अन्तिम जग्गा तयारी गर्दा हाल्ने।</p> | | | | | | | | | | | |
| | रोपाई गर्ने तरिका | १. धुले खेतमा सोभै छरुवा गर्न सकिन्छ। २. हिले खेतमा हारदेखि हार र लाईनदेखि लाईन २० X २० से.मि.को दुरीमा रोपाई गर्ने। | | | | | | | | | | | |
| गाँजिने अवस्था | भारपात नियन्त्रण | भारपात नियन्त्रणका लागि पेन्डीमिथालिन १ किलो ग्राम ए.आई. प्रति हेक्टर रोपाई गरेको ३ दिनभित्र छर्ने। | | | | | | | | | | | |
| | टप ड्रेसिङ गर्ने तरिका | छिप छिपे पानी भएको बेला टप ड्रेसिङ गर्ने। | | | | | | | | | | | |
| | मलखादको मात्रा | १.५ किलोग्राम युरिया प्रति कट्टा छन्। | | | | | | | | | | | |
| | पानीको व्यवस्थापन | पानी बग्न नदिने। | | | | | | | | | | | |
| काट्ने र थन्काउने अवस्था | धान काट्ने | खेत सुख्खा भएपछि काट्ने। माटोको सतहदेखि ४ इन्च माथिबाट काट्ने। | | | | | | | | | | | |
| | पराल सुकाउने | पराल खेतमा फिजाएर राख्ने। | | | | | | | | | | | |
| काट्ने र थन्काउने अवस्था | धान चुट्ने | धान चुट्दा क्षति कम हुने गरी गर्ने। | | | | | | | | | | | |
| | धान भण्डारण | भण्डारण गर्दा चिस्यान १२ प्रतिशत हुनुपर्छ। ३-४घाममा सुकाएर दातले टोक्दा कटक्क आवज आएमा भण्डारण गर्न उपयुक्त हुन्छ। | | | | | | | | | | | |
| धान बालीमा लाग्ने किराहरूको जानकारी | | | | | | | | | | | | | |
| | | फट्याङ्गा नियन्त्रण | | | पतेरो नियन्त्रण | | | गवारो नियन्त्रण | | | फड्के नियन्त्रण | | |
| | | रोग वा मेटासीस्टक्स १ एम. एल. प्रति लिटर पानीमा मिसाई छर्ने अथवा कोलोपाईरीफोस २० ई.सी. १ मिली लिटर प्रति लिटर पानीमा मिसाई छर्ने। | | | धान पसाउने बेलामा पतेरोको प्रकोप भएमा डर्सवान २०५ ई.सी. (क्लोरोपाइरिफोस) २ मि.ली. १ लिटर पानीमा मिसाएर विहान वा साँझको समयमा छर्ने। | | | मित्र जीवहरूको संरक्षण गर्ने र ट्राइकोग्रामा परजीवी किरा हरेक हप्ता छ पटकसम्म ५०,००० देखि १००,००० प्रति हेक्टरका दरले छाड्ने। | | | डाइमिथोएट (रोगर, नुगर आदि) ३५ ई.सी. १-१.५ मि.ली. २ लिटर पानीमा अथवा डर्सवान २०५ ई.सी. (क्लोरोपाइरिफोस) २ मि.ली. प्रति लीटर पानीमा अथवा कन्फीडर २०० एम. एल. ०.८% को भोल बनाएर छर्ने। | | |
| धान बालीमा लाग्ने रोगहरू | | | | | | | | | | | | | |
| | | मरुवा (Blast) नियन्त्रण: रोग अवरोधक जात लगाउने। गाँज्रहेको अवस्थामा रोग लागेमा हिनोसान १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा मिसाई छर्ने। | | | फेद कुहिने रोग (Foot Rot) नियन्त्रण: बेभिप्टिन वा डेरोसाल ३ ग्राम प्रति किलोग्राम विउका दरले बीउ उपचार गर्ने। | | | खैरो थोप्ला (Brown Leaf Spot) नियन्त्रण: डाइथेन एम. - ४५ एक किलो ग्राम बीउमा ३ ग्राम विषादीका दरले बीउ उपचार गर्ने। | | | डुडुवा (BLB) नियन्त्रण: रोग अवरोधक जात लगाउने। एग्रीमाईसिन १०० ई.सी. विषादी २ ग्राम ३ लिटर पानीमा मिसाई छर्ने। | | |
| | | | | | | | | | | | पाते फेद कुहिने (Sheath Rot) नियन्त्रण: हिनोसान १.५ मि.लि. प्रति लिटर पानीमा मिसाई छर्ने। | | |
| धान खेतीको सरदर लागत खर्च र आमदानी (प्रति हेक्टर) | | | | | | | | | | | | | |
| पाक्ने अवस्था | रगीङ्ग गर्ने तरिका | वेजात्, भारपात तथा रोग किरा ग्रस्त बोटहरू हटाउने। | | | | | | | | | | | |
| | बीउको लागि छनौट गर्ने | पाक्नुभन्दा अली अगाडिनै रगीङ्ग गर्ने र स्वस्थ बीउ छान्ने। | | | | | | | | | | | |
| काट्ने र थन्काउने अवस्था | पानीको निकास | धान पाक्नुभन्दा १५ दिन अगावै पानीको निकास गर्ने। | | | | | | | | | | | |
| | धान काट्ने | खेत सुख्खा भएपछि काट्ने। माटोको सतहदेखि ४ इन्च माथिबाट काट्ने। | | | | | | | | | | | |
| काट्ने र थन्काउने अवस्था | पराल सुकाउने | पराल खेतमा फिजाएर राख्ने। | | | | | | | | | | | |
| | धान चुट्ने | धान चुट्दा क्षति कम हुने गरी गर्ने। | | | | | | | | | | | |
| | धान भण्डारण | भण्डारण गर्दा चिस्यान १२ प्रतिशत हुनुपर्छ। ३-४घाममा सुकाएर दातले टोक्दा कटक्क आवज आएमा भण्डारण गर्न उपयुक्त हुन्छ। | | | | | | | | | | | |
| | धान भण्डारण | भण्डारण गर्दा चिस्यान १२ प्रतिशत हुनुपर्छ। ३-४घाममा सुकाएर दातले टोक्दा कटक्क आवज आएमा भण्डारण गर्न उपयुक्त हुन्छ। | | | | | | | | | | | |
| | | वस्तुहरू | खर्च (रु.) | वस्तुहरू | | | | | | आमदानी (रु.) | | | |
| | | बीउ ४० के.जी. X रु. ५०/- | २०००/- | धान उत्पादन ३७५ के.जी. X १७ प्रति किलो | | | | | | ६३१५५/- | | | |
| | | ज्यामी ज्याला (जोताईदेखि काट्नेसम्म) | ४८,१००/- | अन्य उत्पादन (पराल आदि) ४०१५ X रु.२ प्रति किलो | | | | | | ८०३०/- | | | |
| | | सिंचाई + मलखाद | ७४४६/- | | | | | | | | | | |
| | | किटनासक र अन्य | १५१०/- | | | | | | | | | | |
| | | जम्मा | ५९०५६/- | | | | | | | ७१९८५/- | | | |
| | | खुद नाफा = रु. ७१९८५ (आमदानी) - रु. ५९०५६ (खर्च) = रु. ११७२९/- | | | | | | | | | | | |

उन्नत जातको धान खेती प्रविधि
 कुन धान लगाउने, अगौटे, बखै वा हिउँदे सोहि अनुसार जग्गा छनौट गर्ने। सिफारीस गरिएका उन्नत जातको धानको बीउ मात्र प्रयोग गर्ने। नर्सरी तथा जग्गा तयारी गर्दा प्राङ्गरीक मलको प्रयोग १० मेट्रिक टन प्रति हेक्टरका दरले गर्दा राम्रो हुन्छ। बीउ स्वस्थ, पोष्टिलो र ८०% भन्दा बढी उमार शक्ति भएको मात्र प्रयोग गर्ने। बीउ छनौट गर्दा ३ लि. पानीमा आधा के.जी. नून मिसाएर घोल बनाई राम्ररी चलाउने र धान बीउलाई १ -२ मिनेट राखी छान्ने। राम्रा र स्वस्थ बीउ पिंधमा बस्छ र नराम्रा बीउ पानीमा तैरिन्छ। यसरी तल बसेको बीउलाई २-३ पटक पखालेर धानको ब्याडमा छर्दा १०-१२% सम्म उत्पादन बृद्धि हुन्छ। बीउ छर्नुभन्दा अगाडी साफ, सफल, बेभिप्टिन वा डेरोसाल पाउडर विषादी २.५ ग्राम प्रति के.जी. का दरले धानको बीउ मिसाई उपचार गर्ने र ४-५ दिनसम्म बन्द भाडोमा राखेर ब्याडमा बीउ छर्ने। तराईमा १.२५ देखि १.५० के.जी.प्रति कट्टा तथा पहाडमा २ देखि २.५ किलो ग्राम प्रति रोपनी बीउ प्रयोग गर्ने। छरुवा गर्दा ब्याडभन्दा दोब्बर बीउको प्रयोग गर्नुपर्छ। ब्याड जेठको दोस्रो हप्तामा राख्दा राम्रो हुन्छ। मरुवा रोग लाग्ने ठाउँमा पानी ब्याड उपयुक्त हुन्छ। जग्गा धान रोप्नुभन्दा पहिला २-३ हप्ता अगाडी राम्ररी जोतेर तयार गर्नु पर्दछ। जोतेको खेतमा रोप्नुभन्दा ५-७ दिन अगाडीदेखि पानी जमाएर राख्दा भारपात राम्रोसंग कुहिन्छ। २०-२५ दिनको बेनी रोप्नु उपयुक्त हुन्छ। रोपाई गर्दा २-३ से.मी गहिराईमा रोप्नु उपयुक्त हुन्छ। धान रोपेको २५-३० दिनमा पहिलो टप ड्रेस र ५०-६० दिनमा गोडमेल गरेपछि १.५ के.जी. युरिया प्रति कट्टा टप ड्रेस गर्ने। धान रोपेको ४-५ दिनमा वुटाकलोर नामक भारपात नासक विषादी ८०० ग्राम प्रति कट्टाको दरले छरेर भारपात नियन्त्रण गर्न सकिन्छ।

सिंचाई
 धान रोपेको ५-६ दिनपछि १५ - २० दिनसम्म ३-५ से.मी. र त्यसपछि धान पाक्नुभन्दा १५ -२० दिन अगाडीसम्म ५-७ से.मी पानी जमाउनु उपयुक्त हुन्छ।

रोग किरा व्यवस्थापन
 समय समयमा खेतमा निरीक्षण गरी रोग किरा लागे मा सम्बन्धित विज्ञको सल्लाह लिई विषादीको प्रयोग गर्नु उचित हुन्छ।

बाली भित्राउने र उत्पादन
 करीब ८०- ९० प्रतिशत दाना पहेलिए पछि धान काट्नु उपयुक्त हुन्छ। धान काटेर १ - २ दिनसम्म खेतमा सुकाएर भार्दा सजिलै भार्न सकिन्छ। धान भारेपछि ३-४ घाम राम्ररी सुकाएर मात्र भण्डारण गर्नुपर्छ। राम्ररी नसुकेको धान भण्डारण गर्दा कुहिने, किरा लाग्ने र टुकिने हुन्छ।

बीउ छनौट
 बीउ छनौटका लागि २ वटा तरिका अपनाउन सकिन्छ। पहिलो गद्दा वा प्लट छनौट गरेर र दोस्रो बाला बल्याएर।

